शनिवार
30 दिसम्बर 2023

पृष्ठ 4

सर्दियों में वजन बढ़ना नॉर्मल है या किसी बीमारी का कारण ?

पृष्ठ 5

मैं अटल हूं 19 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 315
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

भय से ही दुःख आते हैं, भय से ही मृत्यु होती है और भय से ही बुराइयाँ उत्पन्न होती हैं।
— विवेकानंद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

अवैध हथियारों की फैक्ट्री का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। अवैध हथियारों की फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से भारी मात्रा में तमंचे, पिस्तौल, बन्दूक व कारतूस सहित हथियार बनाने में प्रयुक्त उपकरण भी बरामद किये गये है। आरोपी का चचेरा भाई व पुत्र फरार है जिनकी तलाश की जा रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी ने बताया कि बीते दिनों थाना गदरपुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक

शातिर बदमाश अवैध हथियारों की फैक्ट्री चला रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने जांच की तो मामला सही पाया गया। जिस पर पुलिस ने बीती रात बताये गये स्थान ग्राम आर्यनगर में खेत के किनारे जंगल के पास पाखड के पेडो के नीचे अवैध असलाह बना रहे आरोपी मेहर सिह पुत्र स्व. जीवन सिह निवासी गुलाब का मझरा केलाखेडा को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके पास से भारी मात्रा में तमंचे, पिस्तौल, बन्दूक व कारतूस सहित हथियार बनाने के उपकरण बरामद

भारी मात्रा में तमंचे, रिवाल्वर, देशी बन्दूक व कारतूस बरामद

किये गये। पुलिस के अनुसार आरोपी मेहर सिह शातिर किस्म का अभ्यस्त बदमाश है जिसका अच्छा खासा आपराधिक इतिहास है। गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह और उसका पुत्र महेन्द्र तथा उसकी बुआ का लडका दर्शन सिह पुत्र इन्द्र सिह मिलकर अवैध अस्लाह बनाने का काम करते है, दर्शन सिह इन अस्लाहो को बनाने मे उसका पार्टनर है। जबकि बेटा महेन्द्र सिह अस्लाहों को रामपुर, रुद्रपुर, किच्छा, हल्द्वानी, बाजपुर व कालाढूंगी आदि स्थानों में 5-5 हजार रुपये प्रति तमंचे के हिसाब से बेचता है। बहरहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना गदरपुर में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। वहीं मामले में फरार चल रहे अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

एटीएम लूट का खुलासा, दो अंतर्राज्जीय बदमाश गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। एटीएम लूट का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो अंतर्राज्यीय बदमाशो को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से पचास हजार की नगदी सवा लाख के दो मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त स्कार्पियों भी बरामद की गयी है। आरोपियो के चार अन्य साथी फरार है जिनकी तलाश जारी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोभाल ने बताया कि बीती 15/16 दिसम्बर की मध्य रात्रि के समय कोतवाली रूडकी क्षेत्र ढण्ढेरा में एसबीआई एटीएम को स्कॉपियो सवार पांच अज्ञात बदमाशों द्वारा गैस कटर की सहायता से काट लिया गया था। जिसमें रखी नगदी को बदमाश ले गये थे। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बदमशों की तलाश शुरू कर

पचास हजार रुपये, सवा लाख के दो मोबाइल फोन व स्कार्पियों बरामद, चार बदमाश फरार

दी गयी। बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस टीमों को पता चला कि घटना में सफेद रंग की स्कार्पियों का इस्तेमाल किया गया है। इस पर पुलिस टीमों द्वारा पूर्व में इस तरह की वारदात को अन्जाम देने वाले विभिन्न राज्यों से जानकारी प्राप्त की गयी तो जानकारी मिली की इस तरह की घटनाओं को राजस्थान व हरियाणा के मेवात क्षेत्र के कुख्यात बदमाशों द्वारा अन्जाम दिया जाता है। जिस पर पुलिस सीसी टीवी फुटेज के आधार पर पंचगॉव मानेसर हरियाणा पहुँची जहाँ पर एक दुकान पर सीसीटीवी फुटेज में पुलिस को घटना में संलिप्त

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

राम मंदिर के पुजारी बने 22 साल के मोहित पांडे

अयोध्या। जनवरी से आमजन के लिए अयोध्या में खुलने वाले राम मंदिर में पूजा करने के लिए 29 पुजारियों में से एक मोहित पांडे को चुना गया है। वह उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद शहर के दूधेश्वर वेद विद्यालय में वैदिक अध्ययन के छात्र हैं। मोहित पांडे सिर्फ 22 साल के हैं। पांडे को मुश्किल प्रक्रिया के बाद चुना गया। चुने जाने की प्रक्रिया में पूरे भारत से लगभग 3,000 आवेदकों के साक्षात्कार हुए। पांडे अपनी नियुक्ति से पहले छह महीने की ट्रेनिंग ले रहे हैं। 2020-21 शैक्षणिक वर्ष में, पांडे ने गाजियाबाद के दूधेश्वर वेद विद्यापीठ में दसवीं क्लास के बाद एसवीवीयू के बीए (शास्त्री) कार्यक्रम में दाखिला लिया। उन्होंने एमए (आचार्य) की डिग्री के लिए तिरुपति में वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय में दाखिला लिया और पीएचडी की तैयारी कर रहे हैं। पांडे की गाजियाबाद से तिरूपति और अब अयोध्या तक की यात्रा उनकी कठोर प्रशिक्षण का प्रमाण है। दूधेश्वर नाथ मंदिर के मुख्य पुजारी और दूधेश्वर वेद विद्यालय के मुख्य संरक्षक महंत नारायण गिरि ने कहा, यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि हमारे छात्र को अयोध्या राम मंदिर में पुजारी के रूप में चुना गया है, हमने उन्हें यहां 10 वर्षों तक प्रशिक्षित किया।

पीएम मोदी ने किया अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन का उद्घाटन

दो नई अमृत भारत व छह नई वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

अयोध्या। अयोध्या दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को रामनगरी में पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन अयोध्या धाम का उद्घाटन किया और दो नई अमृत भारत व छह नई वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

प्रधानमंत्री मोदी एक दिवसीय अयोध्या दौरे पर शनिवार सुबह यहां पहुंचे। वह अयोध्या हवाई अड्डे से एक रोड शो करते हुए अयोध्या रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी भी मौजूद थे।

अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन 240 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित, तीन मंजिला आधुनिक रेलवे स्टेशन भवन लिफ्ट, एस्केलेटर, फूड प्लाजा, पूजा की जरूरतों के लिए दुकानें, क्लॉक रूम, चाइल्ड केयर रूम, वेटिंग हॉल जैसी सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। पीएम ने अयोध्या के इस रेलवे स्टेशन से जुड़ी जानकारियां लीं और पूरे मॉडल को समझा।

राम मंदिर से पैदल दूरी पर स्थित रेलवे स्टेशन पर तीन मंजिला इमारत और नयी सुविधाओं के निर्माण पर 241 करोड़ रुपये की लागत आई है। नये स्टेशन भवन में यात्रियों की आवाजाही के लिए ज्यादा जगह होगी। यात्रियों के आगमन और प्रस्थान के लिए अलग-अलग प्रावधान किए गए हैं और यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट, एस्केलेटर, फूड प्लाजा, पूजा सामग्री की जरूरतों के लिए दुकानें, क्लॉकरूम और बच्चों की देखभाल के कमरे जैसी सुविधाएं प्रदान की गई हैं। भूतल के साथ-साथ पहली मंजिल पर भी आकर्षक प्रतीक्षा कक्ष का निर्माण किया गया है। स्टेशन की इमारत सभी के लिए सुलभ होगी और इसे ग्रीन स्टेशन बिल्डिंग के लिए आईजीबीसी (इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल) प्रमाणन मिला है।

दून वैली मेल

संपादकीय

ज्ञान ध्यान व आशावाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आम लोगों को अब यह राय देते दिख रहे हैं कि मिली जुली यानी गठबंधन की सरकार किसी भी सूरत में अच्छी नहीं होती है ऐसी सरकारों में निर्णय लेने की क्षमता और शासन का अभाव तो होता ही है साथ ही तुष्टिकरण की राजनीति भी हावी रहती है। गठबंधन सरकारों में राजनीतिक स्थिरता का भी सर्वथा अभाव होता है जो देश और समाज के लिए हितकारी नहीं होता है निसंदेह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस सोच से देश का कोई भी नागरिक सहमत हो सकता है। देश के लोगों ने पिछले चार-पांच दशकों में मिली जुली सरकारों के तमाम अनुभव किए हैं। जोड़ तोड़ की राजनीति के कारण एक-एक दिन के कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री देखे हैं और चंद महीनों वाले प्रधानमंत्री भी देखे हैं। यही नहीं इस देश के लोग वर्तमान के उसे दौर को भी देख रहे हैं जहां एक पूर्ण बहुमत वाली सरकार को लंगडी मारकर सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है तथा सत्ता पर कब्जा कर लिया जाता है। ऐसी स्थिति में देश के लोगों को राजनीति के चरित्र और चित्र पर किसी भी तरह की शिक्षा दिए जाने की शायद कोई जरूरत नहीं रह जाती है। देश के नेताओं ने अगर 75 साल नेतागिरी की है तो देश के लोगों ने 75 साल की राजनीति देखी है और उससे उन्होंने भी बहुत कुछ सीख समझ लिया है। देश के लोगों ने जातिवाद व और क्षेत्रवाद के साथ सांप्रदायिक उन्माद की राजनीति के ऐसे कठिन दौर भी देखें है जिसकी शायद कभी कल्पना भी नहीं की होगी। हिंसा, आगजनी और तोड़ फोड़ के अनेक ऐसे अध्याय देश के इतिहास में शामिल है जो राजनीतिक कारणों से लिखे गए हैं समय के साथ देश में बहुत कुछ बदला है और आगे भी बदला जाता रहेगा। लेकिन देश का लोकतंत्र जो अभी भी कायम है अगर कायम है तो उसे कायम रखने में इस देश की जनता की ही सबसे अहम भूमिका रही है बीते कुछ दशकों में गठबंधन की राजनीति ने भी देश के लोकतंत्र को बचाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। देश का कोई राजनीतिक दल या नेता अगर स्वयं को सर्वशक्तिमान और संविधान तथा लोकतंत्र से भी ऊपर समझता है तो यह उसकी भूल ही कहीं जा सकती है। बीते 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश और समाज हित में अनेक बड़े काम और फैसले किए हैं जिन्होंने न सिर्फ उनकी छवि को ग्लोबल स्तर पर बुलंदियों तक पहुंचाया है बल्कि राष्ट्र व समाज को उसका फायदा मिला है किंतु राजनीति के इस बदलते परिवेश में जनकल्याण की नीतियों के नाम पर देश की जनता के सामने जो परोसा जा रहा है वह न राष्ट्रहित में उचित है न जनहित में। मुफ्त की रेवड़ियों की राजनीति के इस बढ़ते चलन का हश्र क्या होगा इसे देश के नेता और राजनीतिक दल अच्छी तरह जानते समझते हैं साथ ही इन मुफ्त की सुविधाओं और नगदी का उपयोग कर रही जनता भी जानती है। मुफ्त का राशन, बिजली, पानी, घर, इलाज और ऊपर से नगदी भी जनता को जिस तरह बांटी जा रही है वह राष्ट्रीय धन का अपव्यय ही नहीं है अपितु जनता को गरीब व दीन बनाए रखने का एक बड़ा राजनीतिक षड्यंत्र भी है। प्रधानमंत्री मोदी देशवासियों को एक तरफ विकसित भारत का सपना दिखा रहे हैं वहीं दूसरी ओर उन्हें अपनी हर छोटी बड़ी जरूरत के लिए सरकार पर निर्भरता के लिए मजबूर कर रहे हैं। गरीब अपना घर बनाने में खुद सक्षम हो, वह अपना पेट भरने के लिए खुद कमा सकता हो और अपना इलाज खुद कर सके इसकी व्यवस्था अगर वह अपने 10 साल के शासन में करते तो शायद यह विकसित भारत की ओर बढ़ने में ज्यादा मददगार साबित होता। लेकिन प्रधानमंत्री तो अपने ज्ञान और ध्यान के फार्मूले पर भरोसा रखते हैं जिनके दम पर वह सत्ता में है और आगे भी बने रहने की इच्छा रखते हैं। अब 2024 के चुनाव के लिए उन्होंने ज्ञान पर ध्यान देने से विकसित भारत का फार्मूला खोजा है जिसके अनुसार जी फिर गरीब व वाइ फार युवा, ए फार अन्नदाता और एन फार नारी शक्ति होता है। उनका यह ज्ञान का फार्मूला उन्हें और उनकी पार्टी को इस बार 400 पार भी ले जा सकता है। हो सकता है कि विपक्ष के लिए उतनी सीटें भी लोकसभा में न रहे जितने (146) सांसद निलंबित किए गए थे। प्रधानमंत्री विकसित भारत को लेकर भले ही कितने भी कम आशावादी हो लेकिन 2024 को लेकर उनका आशावाद आसमान पर जरूर है।

अया पवस्व धारया यया सूर्यमरोचयः।
हिन्वानो मानुषीरपः।।
(ऋग्वेद ९-६३-७)

हे परमात्मा ! आप दिव्य रस के स्वामी हैं।आप सूर्य को निरंतर प्रकाश और ऊर्जा की धारा प्रदान करते हो। उसी प्रकार आप हमें ज्ञान का प्रकाश और उत्तम कर्म करने के लिए ऊर्जा प्रदान करें।

मूल निवास 1950 से कम कुछ भी मंजूर नहीः उक्रांद

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल के केंद्रीय महामंत्री विजय बौड़ाई ने एक बयान में कहा कि उत्तराखंड क्रान्ति दल ही एक मात्र दल है जो उत्तराखंड के हित की बात करता है, जबकि भाजपा और कांग्रेस केवल शोषण करते है। आज इन दोनो राष्ट्रीय दलों की राजनीतिक अदूरदर्शिता एवम नकारापन के कारण उत्तराखंड का युवा अपने को ठगा महसूस कर रहा है क्योंकि उनके लिए रोजगार की व्यवस्था सही से नहीं की गयी और वह उसका खामियाजा भुगत रहा है। बाहरी लोगों को उत्तराखंडी युवाओं पर तरजीह दी जा रही है। एक ओर जहां भाजपा उत्तराखंड के हितों के विरुद्ध काम कर रही है वहीं कांग्रेस भी उसी का साथ दे रही है। कांग्रेस भी मूलनिवास 1950 पर सहमत नही है जैसा उनके नेताओं के बयान से स्पष्ट पता चलता है। उत्तराखंड राज्य में सशक्त भू कानून, मूलनिवास और स्थाई राजधानी गैरसैंण अगर कोई पार्टी दे सकती है तो वो केवल उक्रांद ही दे सकती है।

उक्रांद केंद्रीय महामंत्री ने कहा कि उक्रांद जल्द ही इस मुद्दे को जिला से ब्लाक तक जनता बीच ले जायेगा। मूल निवास व भू कानून उक्रांद के मूल मुद्दे

रहे हैं और उक्रांद इसके लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। जंहा तक बात राष्ट्रीय दलो की है तो यह हमेशा राज्य विरोधी रहे है उन्होने युवाओं और समस्त जनता से अपील की है कि उक्रांद से भारी संख्या में जुड़े ताकि उत्तराखंड को विकसित और समृद्ध राज्य बना सके।

बौड़ाई ने कहा कि उक्रांद जिले से गांव तक संगठन को मजबूत कर रहा है। मूल निवास और सशक्त भू कानून के लिए 1 जनवरी को उक्रांद प्रत्येक जिला, तहसील और ब्लाक मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करेगा। बौड़ाई ने कहा कि उक्रांद डोईवाला में स्थानीय इकाई का चुनाव बड़ी मजबूती से लड़ेगा जिसके लिए संगठन स्तर महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे है। डोईवाला शहर को सुंदर शहरों में से एक बनाना उक्रांद का मकसद है। बरसात में डोईवाला शहर और आसपास के क्षेत्रों में बहुत जल भराव देखा गया जिससे आम जनता बहुत तकलीफ में रही,उक्रांद प्रशासन से मांग करता है कि शहर की जल निकासी की व्यवस्था जल्द करे। नालियों का निर्माण सही तरीके से किया जाय ताकि जनता की परेशानी दूर हो सके। डोईवाला शहर तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में आवारा पशुओं द्वारा किसानों की खड़ी फसलों को भी नुकसान पंहुचाया जा रहा है इसलिए उक्रांद प्रशासन से इस पर भी प्रभावी कदम उठाने की मांग करता है। बैठक में केंद्रीय परवादून जिलाध्यक्ष केंद्र पाल सिंह तोपवाल, कार्यकारी अध्यक्ष धर्मवीर गुसाई, नगर अध्यक्ष दिनेश कोठियाल, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजकुमारी उनियाल, केन्द्रीय मीडिया प्रभारी (आई टी) अनूप पंवार, केंद्रीय प्रवक्ता अनिल थपलियाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डाकरा बाजार निवासी नितिन कुमार ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से शिव मूर्ति चौक पर गया था तथा उसने अपनी स्कूटी चौक पर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आये तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नौकरी लगाने के नाम पर ठगे पौने दो लाख रुपये, पति पत्नी पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर पौने दो लाख रूपये की ठगी करने पर पुलिस ने पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नागेश्वर मंदिर डाकरा निवासी जयपाल जैसवाल ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान मौहल्ले के ही संजय गुरूंग व उसकी पत्नी सोनिया गुरूंग से हो गयी थी। दोनों ने उसको बताया कि उनकी सचिवालय व विधानसभा में अच्छी पहचान है तथा वह उसको सरकारी नौकरी दिलवा सकते हैं जिसके लिए उसको खर्चा करना होगा। वह उनकी बातों में आ गया और उसने उनको नौकरी लगवाने के लालच में एक लाख 80 हजार रूपये दे दिये। लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी उसकी नौकरी नहीं लगी तो उसने उनसे अपने रूपये वापस मांगे तो दोनों ने उसके साथ गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सुरिंगगाड जल विद्युत परियोजना के शुरू नहीं होने पर पीएम का पुतला फूंका

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। प्रधानमंत्री के लोकार्पण के 2 वर्ष बाद भी सुरिंगगाड जल विद्युत परियोजना के शुरू नहीं होने पर क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला जलाया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को तत्काल शुरू नहीं किया गया तो सरकार के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री होश में आओ के नारे भी लगाए गए। शास्त्री चौक में जमा हुए त्रिस्तरीय पंचायत के स्थानीय प्रतिनिधियों ने आज सामुहिक नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला जलाया।

क्षेत्र पंचायत सदस्य ईश्वर सिंह करूंगा ने बताया कि 30 दिसंबर 2021 को आज के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस परियोजना का लोकार्पण किया था। उन्होंने बताया कि 2 वर्ष बीत जाने के बाद भी यह आज तक परियोजना अभी तक शुरू नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि

लोकार्पण करने से पहले प्रधानमंत्री को धरातलीय हकीकत जानना चाहिए था। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार विभाग ने अगर प्रधानमंत्री को झूठी सूचना दी है, तो उसे विभाग के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि सुरिंगगाड जल विद्युत परियोजना का शुरू हो जाने के बाद आसपास के ग्रामीणों को इस परियोजना से बिजली की आपूर्ति दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लगातार विद्युत कटौती हो रही है। ठंड के दिनों में बिजली नहीं होने से आम नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य सुरेंद्र सिंह बृजवाल, केदार वर्मा, कैलाश सुमत्याल,ग्राम प्रधान नवीन राम, कृष्णा सिंह सायना, महेश रावत, शंकर सिंह धर्मशक्तू आदि मौजूद रहे।

प्रेग्नेंसी की वजह से हर 20 मिनट में 1 किशोरी की होती है मौत

दुनियाभर में प्रेग्नेंसी या बच्चे को जन्म देने के दौरान हर 20 मिनट में 1 टीनएज बच्ची की मौत हो जाती है। यह नए आंकड़े इस बात को साबित करते हैं कि दुनियाभर में 15 से 19 साल की टीनएज लड़कियों की मौत का सबसे बड़ा कारण प्रेग्नेंसी है। प्रेग्नेंसी या बच्चे को जन्म के दौरान होने वाली जटिलताओं की वजह से हर साल करीब 30 हजार टीनएज लड़कियों की मौत हो जाती है। इनमें से ज्यादातर गरीब परिवार और ग्रामीण इलाकों की होती हैं। एनजीओ की ओर से जारी आंकड़े बताते हैं कि प्रेग्नेंसी से जुड़ी समस्याओं जैसे ब्लीडिंग, ब्लड पॉइजनिंग, लेबर के दौरान अवरोध, असुरक्षित गर्भपात की वजह से होने वाली जटिलताएं, दुनियाभर में टीनएज लड़कियों की मौत का सबसे बड़ा कारण है। यह खतरा सिर्फमां के लिए नहीं

बल्कि होने वाले बच्चे के लिए भी है। आंकड़े बताते हैं कि टीनएज माताओं से जन्म लेने वालों नवजात बच्चे की भी मृत्यु का खतरा अधिक उम्र की माताओं से जन्म वाले बच्चों की तुलना में अधिक होता है। 20 साल से कम उम्र की मां से जन्म लेने वाले बच्चे की मौत का खतरा 20 साल से अधिक उम्र की मां से जन्मे बच्चे की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक होता है। हालांकि दुनियाभर में साल 1990 के बाद से प्रेग्नेंसी और बच्चे को जन्म देने के दौरान होने वाली मौतों का आंकड़ा कम हुआ है। बावजूद इसके कई देशों में अब भी हजारों टीनएज लड़कियां हर साल जबरन हुई शादी या रेप की वजह से समय से पहले मां बन जाती हैं। नाइजीरिया, डिमेब्रैटिक रिपब्लिक ऑफकांगो, मलावी और तन्जानिया जैसे देशों की गरीब लड़कियों को तो गर्भनिरोधक तक नहीं दिया जाता। किर्स्टी मेकनील कहती हैं, इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता कि हर साल इतनी युवतियों की मौत सिर्फइसलिए हो रही है क्योंकि उन्हें गर्भनिरोधक जैसे कॉडम या दवाएं नहीं दी जाती। फिर चाहे इसकी वजह सांस्कृतिक दीवारें हों या फिर काल्पनिक बातें। यूके ने इस खतरनाक अवरोधों को खत्म करने की दिशा में कदम उठाया है ताकि दुनियाभर की महिलाओं और लड़कियों के पास इस बात का अधिकार हो कि उन्हें कब और कैसे प्रेग्नेंट होना है। एक निर्णय जो उनकी जान बचा सकता है। मेकनील कहती हैं लेकिन यह साफहै कि अभी इस मामले में और काम करने की जरूरत है। लड़कियों के लिए गर्भनिरोधक की पहुंच बढ़ानी होगी और उसे मुफ्त में बांटना होगा। साथ ही हमें फैमिली प्लानिंग से जुड़ी झूठी और काल्पनिक बातों को भी दूर कर लड़कियों को जागरूक करना होगा ताकि वे फैसला कर सकें कि उनके अपने शरीर के साथ क्या होगा।

तुम्हारी बीमारी, हमारा कारोबार

अभिषेक मेहरोत्रा

सुबह जैसे ही अखबार खोला तो उसमें से एक हॉस्पिटल का पैंपलेट टपका। वैसे ऐसे कई पैंपलेट रोज टपकते हैं, पर सोचा चलो हॉस्पिटल का पैंपलेट है तो एक बार नजर मार लें। आजकल जब भी पार्क में बैठो तो किसी न किसी बीमारी पर बात शुरू हो जाती है, और अपुन को चूंकि बीमारियों का ज्यादा ज्ञान है नहीं, इसलिए चुप्पी मार सिर्फ चर्चा में दर्शक बन सुनते रहते हैं।

सोचा कि पैंपलेट को पढ़कर ही कुछ ज्ञान नोच लें और फिर अपन भी धड़ाधड़ कौन-सी बीमारी में कौन -सा टेस्ट होता है, पड़ोस के शर्माजी की तरह ज्ञान बखारा करेंगे। अभी पैंपलेट उठाया ही था कि पहली ही लाइन में लिखा था कि बाईपास सर्जरी पर खास छूट, सिर्फ 4999 में कराइए। पढ़कर तो ऐसा लगा कि ये हॉस्पिटल का पैंपलेट न होकर साड़ी की सेल का पैंपलेट है। नीचे की ओर नजर दौड़ाई तो लिखा था कि शूगर टेस्ट के साथ यूरिन टेस्ट फ्री और एंजियोग्राफी पर बीस दिनों के लिए बीस पर्सेंट की छूट। ये ऑफर पढ़कर तो ऐसा लगा कि जैसे हमारा सब्जी वाला कहता है कि सुबह-सुबह सब्जी लीजिए, तो हरा धनिया फ्री पाइए क्योंकि शाम तक फ्री का आइटम खत्म हो जाता है।

अरे भइया अब तो लगता है कि बुखार आने पर डॉक्टर कहीं ये न कहने लग जाए कि लगे हाथ भाभीजी का भी चेकअप कर लीजिए, क्योंकि दो की फीस में मिलेगी 30 पर्सेंट की छूट। और तो और, हमारे परिचित जब एक डॉक्टर साहब से हमने पूछा कि ये सब माजरा क्या है, तो बोले-अमां ठीक तो है। डॉक्टर भी मरीजों को कंज्यूमर इज किंग की तर्ज पर फायदा पहुंचा रहे हैं। हम तो अपने हॉस्पिटल में सालभर पहले लिख देते हैं कि नवंबर से जनवरी तक डिलीवरी कराने पर बीस प्रतिशत छूट।

हमने पूछा कि ऐसा क्या होता है कि इन तीन महीनों में आप भी ऑफर देते हैं। बोले-गुरु एक तो ठंड के मौसम में मरीज घर से बाहर नहीं निकलता, ऐसे में हॉस्पिटल के डॉक्टर और कमरे दोनों ही खाली रहते हैं, इसलिए हम सालभर पहले ही लोगों को बता देते हैं कि अगर डिलीवरी में चाहिए छूट तो अभी से ही कर लें तैयारी। दूसरा इस मौसम में एसी भी कम चलता तो हमारा बिजली का बिल भी कम आता है, तो इस स्कीम से हमारे रूम भी फुल हो जाते हैं, तो मरीजों का भी फायदा हो जाता है। डॉक्टर साहब की बात सुन हमें तो ये लगा कि वे दिन दूर नहीं जब डॉक्टर भी ये न लिखने लगें कि बड़ी बीमारी का इलाज कराने वाले मेंबर के घर के एक शख्स की छोटी बीमारी का इलाज मुफ्त, टर्म्स एंड कंडीशंड अप्लाइड।

सर्दियों में ले मसाज का मजा

आप अब तक छुट्टियों की थकान से उबरने का प्रयास कर रहे हैं साथ ही सर्दियों का मौसम त्वचा को नुकसान पहुंचा रहा है? शरीर का दर्द मूड खराब करता है? ये सभी बातें चिंता का विषय हैं और इससे उबरने के लिए आप अपना पूरा एक दिन अपने पसंदीदा स्पा में बिता सकते हैं। स्पा में दी जाने वाली थेरेपीज आपको आकषर्क तो बनाएंगी साथ ही आपको गर्माहट का अहसास भी होगा। सर्दियों में दी जाने वाली कुछ थेरेपीज

बास्टर मड एनवलप: शरीर की त्वचा सर्दियों में अत्यधिक बेजान हो जाती है और बस्टर मड का बॉडी रैप इसके लिए फायदेमंद है। मध्य भारत के बस्तर आदिवासियों की दमकती त्वचा का राज खनिज से समृद्ध मड रैप है जो यहां के जंगलों की दलदली मिट्टी में पाया जाता है और वह त्वचा के टैक्सचर और टोन के लिए असरकारक होता है। यह दाग धब्बों को दूर कर त्वचा को साफ करता है।

जिनसेंग रैप : रेजुविनेटिंग जिनसेंग रैप में रिवाइटलाजिंग जिनसेंग और जिन्कगो (औषधीय पौधे) को बांस के मनके के साथ मिलाया जाता है। ये सभी सामग्रियां मिलकर सर्दियों में त्वचा की खोयी नमी को पुन: प्राप्त करने में सहायक होती हैं। जिनसेंग एंटी ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है और इसमें सेल्युलर रिजनरेशन गुण पाये जाते हैं। रेजुविनेटिंग जिनसेंग रैप बेजान त्वचा को नवजीवन देता है। यह न केवल खोई नमी लौटाता है बल्कि त्वचा की खोयी चमक भी वापस आती है।

वनीला पॉलिश :वनीला और नटमेग बॉडी पॉलिश को बॉडी कोक्कून और लिम्फेटिक फेस मसाज द्वारा किया जाता है। वनीला थेरेपी ऐसी त्वचा के लिए फायदेमंद है जो कड़कड़ाती सर्दी में क्षतिग्रस्त हो जाती है। यह रोमछिद्रों को खोलकर त्वचा की अशुद्धियों को बाहर करती है और फ्री रेडिकल्स को प्रोडयूस करती है। इस मौसम में त्वचा की ऊपरी सतह पर डेड सेल्स एकत्र हो जाते हैं और यह बॉडी थेरेपी पुराने सेल्स को साफ करने का जादुई काम करती है।

बस्ती : आमतौर पर सर्दियों में शरीर में दर्द रहता है, मांसपेशियों में ऐंठन महसूस होती और शरीर अकड़ा महसूस होता है। आयुव्रेद थेरेपीज जैसे बस्ती से शरीर के दर्द और मांसपेशियों के खिंचाव को कम किया जाता है। काली या सफेद दाल के पेस्ट से प्रभावित क्षेत्र में एक घेरा बनाया जाता है। इस घेरे में यह तेल धीरे-धीरे डाला जाता है। यह मांसपेशियों को ढीला करते हैं और दर्द से राहत मिलती है। यह आवश्यकता पर निर्भर करता है कि ग्रिवा बस्ती (सर्विकल पेन), कटी बस्ती (लोअर बैक पेन) और जानू बस्ती (नी पेन) में से कौन सी बस्ती दी जाये।

एलो फ्रूट बॉडी रैप : यह पूरी बॉडी को एरोमा थेरेपी मसाज स्क्रबिंग देता जिसमें सी साल्ट बॉडी स्क्रब का मिशग्रप्रयोग किया जाता है और शुद्ध एलो वेरा से मसाज और मौसमी फ्रूट जैसे केले के पत्ते में लपेटा जाता है। ऐलो फ्रूट बॉडी रैप डेड सेल्स को साफ करता है और त्वचा की रंगत को निखारता है। यह त्वचा को पोषण देकर कोमल बनाता है। यह धब्बे, एक्ने और त्वचा से संबंधित दूसरी समस्याओं को कम करता है। यह ट्रीटमेंट डेड सेल्स को नर्म बनाता है और नियमित प्रयोग से त्वचा कोमल और चिकनी बनती है।

बच्चों को अनुशासित करने ये उपाय करें

बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए उनमें अनुशासन का भाग जगाना भी जरुरी है। इसलिए उसे प्यार देने के साथ ही थोड़ी बहुत सख्ती भी जरुरी है। इससे बच्चा सही और गलत का अंतर कर सकता है। इसलिए बच्चा अगर कभी भी अनुशासन तोड़ता है तो उसके सजा देना भी जरुरी है ताकि वह अपनी गलती समझ सके। हां यह सजा ज्यादा कठिन नहीं होनी चाहिये। यदि आप चाहते हैं कि बच्चे के साथ संबंध बेहतर बनाए रहते हुये, संयम के साथ, कैसे उसे अनुशासित किया जाये, तो बस आपको कुछ अपाय करने होंगे।

अपने बच्चे को स्वाभाविक परिणामों के बारे में शिक्षा दीजिये। अपने बच्चे को उसके बुरे व्यवहार के स्वाभाविक परिणामों के संबंध में समझा कर आप उससे होनी वाली निराशा की जानकारी दे सकते हैं और उसे बता सकते हैं कि उसका बुरा व्यवहार उसे दुखी कर सकता है जिससे उसे पछतावा होगा। कठिन परिस्थितियों में से उसे निकालने के स्थान पर, बच्चे को उसके नकारात्मक कृत्यों से स्वयं ही निबटने दीजिये। स्वाभाविक परिणामों को समझने के लिए, बच्चे को कम से कम छ: वर्ष का होना चाहिए।

यदि बच्चा कोई खिलौना तोड़ देता है या वह उसे धूप में छोड़ कर नष्ट कर देता है, तब एकदम उसे नया खिलौना मत दिलवाइए। बच्चे को कुछ समय तक बिना खिलौने के रहने दीजिये, और उससे बच्चा अपनी चीजों की ठीक से देखभाल करना सीख जाएगा। बच्चे को जिम्मेदारी की शिक्षा दीजिये। यदि बच्चा अपना गृहकार्य टीवी देखने के कारण नहीं कर पाया है तो उसका गृहकार्य पूरा कराने में उसकी मदद करने के स्थान पर, बच्चे को बुरे ग्रेड से उत्पन्न होने वाली निराशा का सामना करने दीजिये।

यदि बच्चे को अपने बुरे व्यवहार के कारण किसी पार्टी में नहीं निमंत्रित किया गया है, तब उसे यह समझ में आने दीजिये कि यदि उसका व्यवहार उस बच्चे के साथ कुछ और होता तब उसे निमंत्रित किया जा सकता था।

अपने बच्चे को तर्कसंगत परिणामों की शिक्षा दीजिये। तर्कसंगत परिणाम वे परिणाम होते हैं जो आप के अनुसार बच्चे के बुरे व्यवहार के परिणामस्वरूप उत्पन्न होंगे। इनको सीधे सीधे बच्चे के व्यवहार से सम्बद्ध होना चाहिए ताकि बच्चा, भविष्य में उनको नहीं करने की शिक्षा प्राप्त कर सके। हर प्रकार के बुरे व्यवहार का तर्कसंगत परिणाम होना चाहिए, और परिणाम समय से पहले ही बता दिये जाने चाहिए।

यदि बच्चा अपने खिलौने संभाल कर नहीं रखता है तब उसे एक सप्ताह तक खिलौने न दें।

यदि आप बच्चे को टी वी पर कुछ गैरजरुरी कार्यक्रम देखते हुये पाएँ तो एक सप्ताह के लिए टी वी की सुविधा बंद कर दीजिये।

यदि बच्चा अच्छा व्यवहार नहीं करता तो उसे अपने मित्रों के साथ मत खेलने जाने दीजिये। इससे उसे सबक मिलेगा।

अपने बच्चे को सकारात्मक अनुशासन विधियों की शिक्षा दीजियेरू सकारात्मक अनुशासन बच्चे के साथ कार्य की ऐसी विधि है, जिसके अनुसार इस प्रकार के सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुँचने में सहायता मिलती है जिससे कि बच्चा समझ सके कि बुरे व्यवहार के परिणाम क्या होंगे और वह भविष्य में उनसे बच सके। बच्चे को सकारात्मक रूप से अनुशासित करने के लिए आपको बच्चे के साथ बैठ कर उसके बुरे व्यवहार के संबंध में चर्चा करनी चाहिए और क्या क्या जा सकता है इस पर विचार करना चाहिए।

बच्चे को पुरस्कृत करने की प्रणाली भी निर्धारित करिएरू पुरस्कृत करने की पद्धति भी निर्धारित की जानी चाहिए, ताकि सकारात्मक व्यवहार के सकारात्मक परिणाम भी हो सकें। भूलिए मत कि अच्छे व्यवहार को सुदृढ़ करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना बुरे व्यवहार को अनुशासित करना। बच्चे को यह दिखाने से कि, ठीक व्यवहार कैसे किया जा सकता है, उसको यह समझने में सहायता मिलेगी कि उसे क्या नहीं करना चाहिए।

भाषण न दें रू ये पद्धतियाँ न केवल प्रभावहीन होती हैं, बल्कि इनके कारण आपका बच्चा आपसे नाराज हो कर आपकी उपेक्षा भी कर सकता है तथा आपके शब्दों और कृत्यों से उसे मानसिक और शारीरिक आघात भी लग सकता है।

उत्तराखंड विद्वत् सभा ने छात्रों को प्रदान किये ऊनी वस्त्र

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। भगवती मां गंगा के पतित पावन तट पर स्थित जगदगुरु चंद्र संस्कृत महाविद्यालय भगवद्धाम, हरिद्वार के वर्तमान अध्ययनरत छात्रों को बैठक के लिए दो दरियां तथा ऊनी वस्त्र प्रदान किए गये।

सभाध्यक्ष आचार्य विजेंद्र प्रसाद ममगाईं ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहां कि विद्वत् सभा संस्कृत विद्यालय के सहयोग का भाव रखती हैं। सभा के संरक्षक राष्ट्रपति पुरस्कार से अलंकृत पूर्व प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश भट्ट ने कहा कि संस्कृत विद्यालय का छात्र ही संस्कृत का संरक्षक तथा समाज का पथ-प्रदर्शक होता है। अत: पूर्ण मनोयोग से विद्याध्ययन करना चाहिए।

महासचिव आचार्य दिनेश प्रसाद भट्ट ने कहा कि छात्राणाम् अध्ययन तप: छात्रों के अध्ययन ही तप हैं। तप के बिना जीवन साध्य नहीं हैं। गुरुकुल परंपरा ही हमारी संरक्षिका हैं। सहसचिव आचार्य मुरलीधर सेमवाल तथा पूर्व कार्यकारी एवं सम्पादक मंडल सदस्य कैलाश प्रसाद थपलियाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्राचार्य डॉ सोहनलाल बलूनी ने सभा के प्रति हादिक आभार ज्ञापित किया।

गौरतलब हैं कि उत्तराखंड विद्वत् सभा द्वारा गीता श्लोक वाचन प्रतियोगिता एवं सम्मान समारोह आयोजित होगा जिसमें मुख्य अतिथि: श्रद्धेय गा कृपा कांक्षी, सन्त गोपाल मणि महाराज, ज्योतिषपीठ व्यास पदालंकृत आचार्य शिव प्रसाद ममगाईं, यज्ञ रत्न पदालंकृत आचार्य नित्यानन्द सेमवाल, आचार्य पवन शर्मा, संस्थापक परशुराम चतुर्वेद विद्यालय, देहरादून, वेदपाठी आचार्य रविन्द्र भटट्, केदार-बद्री मन्दिर समिति, समाज सेवी कमलेश उनियाल तथा समाज सेवी प्रवीण त्यागी को सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर कोठारी सन्त सेवा दास महाविद्यालय के आचार्य मठवाल सहित तत्तद्विभागों के आचार्य, कर्मचारी, हरिद्वार प्रखंड के आजीवन सदस्यों में आचार्य गिरिश थपलियाल, आचार्य मुकेश सेमवाल, आचार्य दीपक बडोनी, आचार्य धीरज ध्यानी अन्य महाविद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहें।

गठबंधन या सिर्फ तालमेल ?

जो बात सिरे से गायब रही, वह कोई साझा न्यूनतम कार्यक्रम है। इंडिया समूह की अर्थ नीति या विकास नीति किस रूप में मोदी सरकार से अलग होगी, उस पर अब तक इन दलों ने विचार करने तक की जरूरत नहीं समझी है।

विपक्ष के समूह इंडिया की बैठक से यही संकेत मिले कि इन दलों के बीच नरेंद्र मोदी को सत्ता से बाहर करने के अलावा कोई किसी और साझा उद्देश्य पर सहमति नहीं है। इसलिए बैठक से प्रमुख खबर यही उभरी कि अगले तीन हफ्तों में इस समूह में शामिल 28 पार्टियां विभिन्न राज्यों में लोकसभा सीटों के बंटवारे पर अंतिम फैसला कर लेंगी। इसके अलावा थोक भाव में विपक्षी सांसदों के निलंबन के मुद्दे पर 22 दिसंबर को विरोध दिवस मनाने और कुछ साझा रैलियां करने का निर्णय हुआ। संभवत: कुछ नेताओं ने प्रधानमंत्री पद के चेहरे के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़े का नाम प्रस्तावित किया, लेकिन उस पर सहमति नहीं बनी। वैसे भी यह साफ नहीं है कि यह प्रस्ताव सचमुच दिल से दिया गया, या इसके पीछे किसी अन्य नेता को काटने की चाल थी। बहरहाल, जो बात सिरे से गायब रही, वह कोई साझा न्यूनतम कार्यक्रम है। इन समूह की अर्थनीति या विकास नीति किस रूप में मोदी सरकार से अलग होगी, उस पर अब तक इन दलों ने विचार करने की जरूरत नहीं समझी है। ऐसे में यह सारा प्रयास सीटों के तालमेल तक सिमटता दिख रहा है।

मकसद यह है कि भाजपा विरोधी वोटों को बंटने से रोका जाए, ताकि अगले आम चुनाव में भाजपा को सीटों की संख्या के लिहाज से अधिकतम नुकसान पहुंचाया जा सके। गणना संभवत: यह है कि अगर 2019 की तुलना में भाजपा की 60-70 सीटें घटाई जा सकें, तो फिर कुछ ऐसे नए राजनीतिक समीकरण बन सकते हैं, जिनसे नरेंद्र मोदी और अमित शाह को सत्ता से हटाया जा सकेगा- या कम-से-कम सत्ता पर उनकी पकड़ ढीली हो सकेगी। अगर महत्त्वाकांक्षा इतनी कमजोर नहीं होती, तो ये दल अपने भावी शासन के स्वरूप और कार्ययोजना पर विचार करते। तब उनकी रणनीति मतदाताओं में ऐसा उत्साह पैदा करने की होती, जिससे इंडिया को सकारात्मक जनादेश प्राप्त हो सके। लेकिन अभी सारा एजेंडा मोदी सरकार की तानाशाही का मुद्दा सामने रखकर जनादेश प्राप्त करने तक सीमित है। अब समय इतना कम है कि इस एजेंडे में बदलाव की गुंजाइश कम ही रह गई है।(आरएनएस)

सर्दियों में वजन बढ़ना नॉर्मल है या किसी बीमारी का कारण?

सर्दियों के मौसम में खान-पान का अपना ही मजा है। इस मौसम में तरह-तरह की सब्जियां बाजार में आ जाती हैं जिनसे हम कई तरह के स्वादिष्ट व्यंजन बनाते हैं।इस मौसम में सुबह के नाश्ते में पराठे ज्यादातर लोगों के घरों में बनने लगता है। गोभी पराठे, आलू पराठे, मेथी पराठे, पालक पराठे आदि कई वेराईटी के लोग स्वादिष्ट पराठे बनाकर खाना पसंद करते हैं। यही नहीं इस मौसम लोग हलवा खुब पसंद से खाते हैं। इसके साथ चाय और कॉफी का भी मजा ज्यादा लेते हैं। ऐसे में इस मौसम में अधिकतर लोगों को वजन बढ़ जाता है। कई बार लोगों को समझ नहीं आता है कि सर्दियों के मौसम में वजन क्यों बढ़ जाता है। सर्दियों में वजन बढ़ना नार्मल है। आइए जानते हैं यहां?

शारीरिक गतिविधियां कम

सबसे पहली वजह यह है कि सर्दियों में हम अक्सर घर पर ही रहते हैं। ठंढी हवाओं से बचने के लिए हम बाहर टहलने-फहलने नहीं जाते। इससे हमारी शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं।

ज्यादा कैलोरी लेना

दूसरा कारण यह है कि हम गर्म और तेलीय भोजन जैसे मोटर, गाजर का हलवा, पराठे आदि अधिक खाने लगते हैं जिससे कैलोरी की मात्रा बढ़ जाती है। सर्दियों के मौसम में हमारी खान-पान की आदतें बदल जाती हैं। इस मौसम में हम गर्म और पौष्टिक भोजन की ओर अधिक आकर्षित होते हैं। इस प्रकार सर्दियों में हम जो भोजन करते हैं उसमें कैलोरी की मात्रा सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक होती है।आवश्यकता से अधिक कैलोरी का सेवन करने से वजन तेजी से बढ़ने लगता है।

मेटाबॉलिज्म धीमा होना

सर्दियों में हमारा मेटाबॉलिज्म यानी चयापचय क्रिया धीमी पड़ जाना भी एक कारण है कि हम अधिक कैलोरी ले लेते हैं। इसे हम इस प्रकार लिख सकते हैं।सर्दियों की ठंड के कारण हमारे शरीर का तापमान गिर जाता है। इससे हमारी कोशिकाओं में होने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाएं यानी चयापचय क्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं।

सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर

सर्दियों के मौसम में कई लोगों को सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर की समस्या होती है। इस विकार की वजह से व्यक्ति को सतत उदासी, अवसाद और सुस्ती जैसे लक्षण महसूस होते हैं। साथ ही भूख में भी परिवर्तन आता है। ऐसे लोग भोजन में रुचि कम हो जाने या ज्यादा खाने की आदत डाल लेते हैं। इससे वजन बढ़ने लगता है।

ईशा मालविया बनीं बिग बॉस 17 की नई हाउस कैप्टन

एक्ट्रेस ईशा मालविया ने कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस में एक टास्क जीतने के बाद कप्तानी की कमान संभाल ली है। लेटेस्ट एपिसोड में तीखी बहस के बाद फैसला लिया गया। टास्क में घर वालों को दो टीमों में बांटा गया था, जिनके कप्तान नील भट्ट और विक्की जैन थे।

नील ने अपनी टीम ए के लिए ऐश्वर्या शर्मा, अभिषेक कुमार, अरुण, रिंकू धवन और अनुराग डोभाल को चुना। विक्की ने बाकी कंटेस्टेंट्स को चुना और मुनव्वर संचालक थे।

दोनों टीमों को उनके वर्कस्पेस पर रखा गया था, जहां उन्हें सेबों को बॉक्स में पैक करना था। टीम ए से ऐश्वर्या और टीम बी से अंकिता को क्वालिटी चेक मैनेजर्स के रूप में नियुक्त किया गया।

काफी खींचतान के बाद, टीम बी ने सेब के दो बॉक्स के साथ टास्क जीत लिया, टीम ए के बॉक्स को टास्क के क्वालिटी चेक सेगमेंट में अस्वीकार कर दिया। ऐश्वर्या ने पहले अप्रूव्ड बॉक्स को दोबारा चेक करने की मांग की, लेकिन मुनव्वर ने इनकार कर दिया।

टीम बी को अगला कप्तान बनाने के लिए टीम में से एक व्यक्ति को चुनने के लिए कहा गया। काफी चर्चा के बाद कंटेस्टेंट्स ने दो नाम अंकिता लोखंडे और ईशा मालवीय दिए। लेकिन उस पर भी बहस हो गई। जिसके बाद बिग बॉस को हस्तक्षेप करना पड़ा और फैसला न ले पाने पर कंटेस्टेंट्स को फटकार लगाई। कुछ ही देर बाद टीम बी ने फैसला किया और ईशा को कप्तान घोषित कर दिया।

शब्द सामर्थ्य -046

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

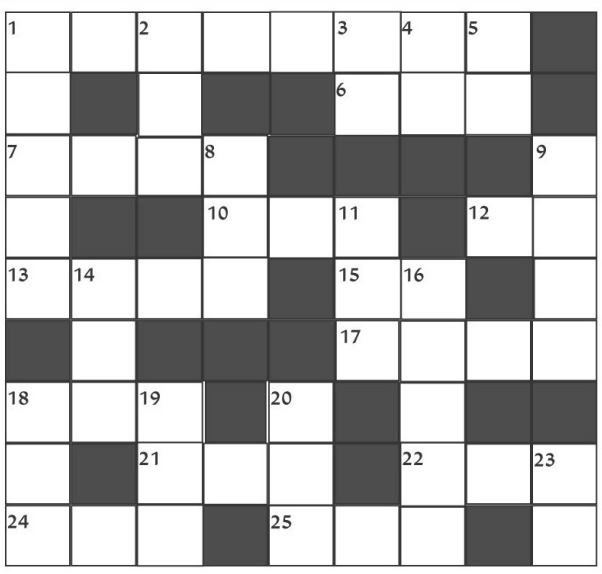

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 45 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

सामने आया डकैत का टीजर

यह बंदूकों और गुलाबों का विस्फोट, विश्वासघात, विश्वास, और सबसे ऊपर प्यार। ये सारे इमोशन आपको देखने को मिलेंगे अदिवी सेष और श्रुति हासन अभिनीत मेगा पैन-इंडिया एक्शन ड्रामा में जिसके निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल डकैत अनाउंस कर दिया है। एक नए पोस्टर के साथ घोषणा की गई है और एक अनोखे घोषणा टीजर को शेयर किया गया है। जिसमें अदिवी सेष और श्रुति हासन पूरी ताकत दिखाते नजर आ रहे हैं क्योंकि वे एक हाई-ऑक्टेन फेस-ऑफ के लिए अपना रास्ता बना रहे हैं जो माहौल सेट करने वाला है। फिल्म दर्शकों को डेकोइट की गंभीर और गहन दुनिया से परिचित कराती है। अन्नपूर्णा स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत इस मेगा प्रोजेक्ट का निर्माण सुप्रिया यारलागड्डा द्वारा किया गया है। इसे हिंदी और तेलुगु में एक साथ शूट किया जा रहा है। डकैत का मुख्य शीर्षक अदिवी सेष और श्रुति हासन हैं और इसे दो पूर्व प्रेमियों की एक मनोरंजक कहानी के रूप में पेश किया गया है, जिन्हें अपने जीवन को बदलने के लिए डकैतियों को अंजाम देने के लिए एकजुट होना होगा। यह शेनिल देव की फीचर निर्देशन की पहली फिल्म है।

अदिवी सेष ने कहा कि डेकोइट एक ऐसी फिल्म है जो दर्शकों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ेगी और एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए शेनिल देव की प्रशंसा की जिसे दर्शकों ने बड़े पर्दे पर कभी नहीं देखा है। अदिवी सेष और शेनिल देव ने फिल्म की कहानी और पटकथा भी लिखी है।

अदिवी ने कहा कि शैनिल देव के पास एक बिल्कुल शानदार दृष्टिकोण है। यह भव्य हुए बिना भी भव्य है और ऊंचे हुए बिना भी सुरुचिपूर्ण है। स्क्रिप्ट की एक बहुत ही देहाती प्रकृति की है। इसे गांवों और कस्बों के भीतरी इलाकों में मौजूद पात्रों के साथ सुंदर तरीके से बनाया गया है। अदिवी सेष ने एक बयान में कहा कि यह फिल्म एक शानदार ब्लास्ट करने के लिए बनाई गई है। मुझे लगता है कि डकैत लोगों के दिलों में विस्फोट करने जा रही है।

यह फिल्म 2022 में प्रशंसित मेजर के बाद अदिवी सेष की लगातार दूसरी हिंदी फिल्म है। डकैत को एक दुर्लभ कहानी कहते हुए, श्रुति हासन ने कहा कि कहानी गुस्से, जुनून और लालित्य से भरी है। मैं डकैत का हिस्सा बनने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। निर्देशक का कहना है कि डकैत एक धड?ते दिल के साथ एक शानदार एक्शन ड्रामा है। फिल्म की कहानी इस तरह के कैनवास की मांग करती है, जो कि जड़दार, किरकिरा फिर भी अच्छी तरह से स्थापित और स्टाइलिश हो। फिल्म का टीजर उस विशाल दुनिया की एक छोटी सी झलक मात्र है। दो बेहतरीन सितारों अदिवी और श्रुति को निर्देशित करना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह एक अविश्वसनीय सहयोग होने जा रहा है। डकैत के सह-निर्माता सुनील नारंग हैं। फिल्म जल्द ही फ्लोर पर आने वाली है। (आरएनएस)

फाइटर का दूसरा गाना इश्क जैसा कुछ जारी, दीपिका-ऋतिक की केमिस्ट्री से नहीं हटेंगी नजरें

ऋतिक रोशन की मोस्ट अवेटेड फिल्म फाइटर 25 जनवरी 2024 को थिएटर्स में रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म के टीजर ने पहले ही किक देने वाली एक्शन से भरपूर दुनिया की एक झलक दिखा दी है और दर्शकों को एक्साइटेड कर दिया है। सीजन के बेस्ट पार्टी एंथम, शेर खुल गए के साथ फिल्म के म्यूजिकल सफर की शुरुआत हो गई थी और अब मेकर्स ने फिल्म का दूसरा गाना इश्क जैसा कुछ रिलीज कर दिया है।

फाइटर के दूसरे गाने इश्क जैसा कुछ में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की शानदार केमिस्ट्री ने दर्शको का दिल जीत लिया है। दोनों का ऑनस्क्रीन रोमांस फैंस के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं है। यह गाना अपने शानदार रोमांटिक ट्रैक, ऋतिक और दीपिका की जबरदस्त जोड़ी, खूबसूरत नजारे और गहराई से जुडने़ वाले म्यूजिक के साथ दर्शकों के दिलों को दीवाना करता है।

विशाल-शेखर, शिल्पा राव और मेलो डी ने इस गाने को अपनी आवाज दी है, जो कुमार, मेलो डी और विशाल ददलानी ने तैयार किए गए लीरिक्स को कॉम्प्लीमेंट करता है। इस गाने को विशाल और शेखर ने कंपोज किया हैं। वहीं बॉस्को-सीजऱ की कोरियोग्राफ के साथ यह गाना एक रोमांटिक हिट होने वाला है।

सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन और वायकॉम18 स्टूडियोज और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के बैनर तले बनी फिल्म फाइटर एक्शन स्टोरीटेलिंग में क्रांति लाने के लिए तैयार है। यह फिल्म दिल दहला देने वाले एक्शन सीन्स और देशभक्ति की भावना को पेश करती है। फिल्म में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण लीड किरदार अदा करते नजर आएंगे। फाइटर 25 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

मैं अटल हूं 19 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

पंकज त्रिपाठी अपनी आने वाली फिल्म में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और दिग्गज नेता अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका में नजर आएंगे।वाजपेयी की इस बायोपिक की चर्चा काफी समय से हो रही है। फिल्म से जब पंकज का पहला लुक सामने आया था, लोग तभी से उनके कायल हो गए थे।अ ब फिल्म का ट्रेलर भी जारी हो गया है, जिसमें वाजपेयी के रूप में पंकज का दमदार अभिनय नजर आ रहा है।

फिल्म के ट्रेलर का लंबे वक्त से इंतजार हो रहा था। ट्रेलर के लॉन्च कार्यक्रम में पंकज और निर्देशक ने इस फिल्म के सफर पर बात कीट्रेलर में वाजपेयी की युवावस्था से लेकर उनके परिपक्व राजनेता बनने तक की झलकियां शामिल हैं। न सिर्फ एक राजनेता, बल्कि पंकज ने कवि के रूप में भी उन्हें पर्दे पर उकेरा हैफिल्म में लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, प्रमोद महाजन जैसे नेताओं का राजनीतिक योगदान भी नजर आएगा।

मैं अटल हूं 19 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। मैं अटल हूं का निर्देशन रवि जाधव ने किया है। फिल्म की कहानी उत्कर्ष नैथानी ने लिखी हैयह फिल्म उल्लेख एनपी की किताब द अनटोल्ड वाजपेयी- पॉलिटिशियन एंड पैराडॉक्स पर आधारित होगी।फिल्म में वाजपेयी के जीवन के अलग-अलग दौर को पंकज पर्दे पर उतारने वाले हैं। खासकर, उनके राजनीतिक जीवन के उतार-चढ़ाव को प्रमुखता से दिखाया जाएगा। इसमें 90 के दशक की राजनीतिक उठापटक देखने को मिलेगी।

अटल भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ जुड़े थे।1996 में वह भारत के प्रधानमंत्री बने थे। हालांकि, अन्य दलों ने जब भाजपा से अपना समर्थन वापस ले लिया, तो 13 दिनों के भीतर उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था।वह 1998 और 1999 में भी दूसरे और तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री पद पर काबिज हुए।राजनेता के अलावा वह एक कवि के रूप में भी पहचान रखते थे।

हाल ही में पंकज की फिल्म कड? सिंह जी5 पर आई है। मैं अटल हूं के बाद उनकी कई फिल्में कतार में हैं।चर्चित फिल्म स्त्री का सीक्वल स्त्री 2 भी इसी साल रिलीज होनी है। वह होमी अदजानिया की फिल्म मर्डर मुबारक का भी हिस्सा हैं। वह अनुराग बासु की फिल्म मेट्रो इन दिनों में भी इस साल नजर आएंगे।उनकी चर्चित वेब सीरीज मिर्जापुर के तीसरे सीजन का भी प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी भी अगले साल रिलीज होगी। 1975 में लगे आपातकाल पर आधारित इस फिल्म में अभिनेता श्रेयस तलपड़े युवा वाजपेयी के किरदार में नजर आएंगे। वायपेयी के किरदार में उनका लुक भी जारी हो चुका है।

एक्शन से भरपूर है रवि तेजा कि फिल्म ईगल, ट्रेलर जारी

एक्शन से भरपूर रवि तेजा ईगल का ट्रेलर रिलीज हो गया। मास राजा रवि तेजा कार्तिक घट्टमनेनी द्वारा निर्देशित अपनी आगामी मनोरंजन फिल्म ईगल के साथ फिल्म प्रेमियों को लुभाने के लिए तैयार हैं, जो 13 जनवरी, 2024 को रिलीज होने वाली है। फिल्म के प्रचार से लगातार उम्मीदें बढ़ रही हैं, और आज, निर्माताओं ने अत्यधिक अनावरण किया प्रत्याशित ट्रेलर. रवि तेजा ने एक शानदार एंट्री की है, जिसे तीव्रता और शक्ति के साथ चित्रित किया गया है, और प्रभावशाली संवाद बोले हैं जो फिल्म के लिए माहौल तैयार करते हैं। ट्रेलर में रवि तेजा को न केवल खूबसूरत अभिनेत्रियों के साथ बल्कि अत्याधुनिक हथियारों के साथ रोमांस करते हुए दिखाया गया है, जो एक बहुआयामी कहानी की ओर इशारा करता है। नायक को विभिन्न पक्षों से विरोधियों का सामना करना पड़ता है, जिससे कहानी में साज़िश की परतें जुड़ जाती हैं। सिनेमैटोग्राफी और बैकग्राउंड म्यूजिक (बीजीएम) दृश्यों को बेहतर बनाते हैं, जिससे फिल्म के प्रति समग्र प्रत्याशा बढ़ जाती है।

ट्रेलर में काव्या थापर, अनुपमा परमेश्वरन, नवदीप, श्रीनिवास अवसारला और मधुबाला सहित अन्य प्रमुख कलाकारों की झलक दिखाई गई है, जो कहानी की प्रगति में योगदान दे रहे हैं। ईगल एक बड़े विस्फोट का वादा करता है, और ट्रेलर दर्शकों को बड़े पर्दे पर एक आकर्षक अनुभव का आश्वासन देता है।

इमरान हाशमी, नसीरुद्दीन शाह, मौनी रॉय के शोटाइम का फर्स्ट लुक हुआ रिवील

2024 जल्द दस्तक देने वाला है। ऐसे में दर्शको ने भी फिल्मों के आने वाले नए काम के लिए पहले से ही कमर कस ली है। अब, फेमस डायरेक्टर-फिल्ममेकर करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने आने वाले वेब शो का प्रोमो शेयर किया है। वहीं शो के टाइटल के बारें में बताए तो इसका नाम शोटाइम है।

बता दें कि करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी आने वाले वेब-शो, शोटाइम का प्रोमो शेयर किया है। 50 सेकंड की वीडियो क्लिप से पता चलता है कि कहानी टिनसेल शहर की कहानी पर बनाई गई है और मशहूर हस्तियों के जीवन से भी इसके लिए पार्ट लिए गए है। यह क्लिप स्वयं इस चकाचौंध, ग्लैमरस दुनिया के पीछे क्या होता है, इसके पीछे के सीन को उजागर करती है।

इस शो का डायरेक्शन मिहिर देसाई और अर्चित कुमार ने साथ में किया है, जबकि सुमित रॉय ने इसे बनाया है और इसमें नसीरुद्दीन शाह, इमरान हाशमी, मौनी रॉय, बादशाह, विजय राज, श्रिया सरन, महिमा मकवाना, लारा चंदानी और अन्य

सहित कई कलाकार शामिल है। शो की टीम द्वारा साझा किए गए पहले लुक पर एक नजर डालें।

इसके साथ ही पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया रोशनी, कैमरा और एक्शन जैसी दुनिया में आपका स्वागत है! सत्ता के संघर्ष में उलझी शोटाइम एक वेब सीरीज़ है जो सीमाएं खींचेगीज्केवल उन्हें पार करने के लिए। 2024 में केवल डिज्नी+हॉटस्टार पर!, पोस्ट शेयर किए जाने के कुछ मिनट बाद, फैंस ने पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देना बंद नहीं कर सके और उन्होंने कमेंट अनुभाग में अपना व्यंग्य व्यक्त किया। एक फैन ने लिखा, यह बहुत अद्भुत लग रहा है और इमरान हाशमी का एक अन्य फैन अपने पसंदीदा स्टार को स्क्रीन पर वापस देखकर खुश था और उसने लिखा, कई रिलीज के साथ इमरान टाइमलाइन में वापस आकर खुशी हुई। वह निश्चित रूप से खेल में वापस आ गया है और कैसे!!

करण जौहर, अपूर्व मेहता, सोमेन मिश्रा और मिहिर देसाई भी शो के कार्यकारी निर्माता के रूप में काम कर रहे हैं। शो की रिलीज़ डेट अभी गुप्त रखी गई है लेकिन यह अगले साल 2024 में डिज़्नी+हॉटस्टार पर रिलीज़ होने वाली है।

कांग्रेस हमेशा गलत क्यों?

हरिशंकर व्यास

उत्तर भारत में बुरी हार के बावजूद राहुल गांधी से लेकर कमलनाथ, भूपेश बघेल, अशोक गहलोत आदि सभी अभी भी नादानी में हैं। जैसे राजस्थान को लेकर यह सोचना कि भाजपा ने सांप्रदायिक राजनीति की, राहुल गांधी-प्रियंका ने मेहनत कम की तो हार गए। कांग्रेस को ध्यान ही नहीं कि भाजपा गलत उम्मीदवारों, ज्यादा कलह, अपने बागियों की अधिकता के बावजूद बहुमत से जीती है। कांग्रेस न चुनाव लड़ते वक्त सही थी और न हारने के बाद ईमानदारी से विश्लेषण करते हुए है। तीनों राज्यों में कांग्रेस ने रेवडि?ों का खोमचा लगा कर चुनाव लड़ा। राहुल गांधी का अखिल भारतीय स्तर पर ओबीसी वोटों को रिझाने का खोमचा था। मतलब कांग्रेस है ओबीसी हितरक्षक! हम जात जनगणना कराएंगे। और राहुल गांधी का ऐसा हल्ला किसके आगे था? जन्मजात ओबीसी और बतौर पिछड़े प्रधानमंत्री के चेहरा बनाए ओबीसी के घर-घर पहुंचे हुए नरेंद्र मोदी के आगे!

तभी सोचें, राहुल गांधी और उनके सलाहकारों की मूर्खता पर! कश्मीरी पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी की विरासत संभाले ब्राह्मण राहुल गांधी के ओबीसी खोमचे पर। जिस नेहरू-गांधी परिवार ने दशकों राज किया। ब्राह्मण-फॉरवर्ड, दलित, आदिवासी और मुसलमान के कोई 60-65 प्रतिशत वोट बैंक से जिसने उत्तर भारत में लगातार विजय पाई उन इंदिरा गांधी का पोता यदि पिछड़ों को रिझाने के खोमचे से राजनीति करेगा तो क्या होगा? चुनाव में सूपड़ा साफ! इसलिए इन बातों का कोई अर्थ नहीं है कि हार के बावजूद तीनों प्रदेशों में कांग्रेस का वोट तो है।

भूपेश बघेल ने छतीसगढ़ में हर संभव ओबीसी राजनीति की। ओबीसी और किसान के समीकरण में चुनाव जीतने की मास्टर रणनीति बनाई। ब्राह्मण-बनियों को गैर-छतीसगढ़ी करार दे कर आदिवासियों को भी छतीसगढि?ा ओबीसी समीकरण में समेटा। इनके अलावा मुस्लिम वोटों को भी पटाए रखा! मतलब राहुल गांधी का ओबीसी खोमचा आदर्श रूप में छतीसगढ़ का सुपर शॉपिंग मॉल बना हुआ था। यह भी जानना चाहिए कि आधुनिक तौर-तरीकों से चुनाव प्रबंधन, सर्वे, सोशल मीडिया, प्रचार और संसाधन सभी में भूपेश बघेल और उनकी टीम भाजपा से बीस थी न कि उन्नीस!

लेकिन चुनाव नतीजा क्या? वही जो रायपुर एयरपोर्ट से उतरते ही झलकता हुआ था। मैं बार-बार लिखता हूं कि उत्तर भारत में लोगों की धड?न बामन-बनियों की चर्चाओं से बनती है। यह सत्य नेहरू-इंदिरा गांधी के वक्त था तो नरसिंह राव, वाजपेयी, मनमोहन सिंह के समय में भी रहा। और मोदी राज में भी है। गांव चौपाल हो या बिलासपुर, रायपुर में जन मानस क्या सोचता हुआ होता है? आजादी से पहले के स्वतंत्रता आंदोलन पर विचार करें। किसने अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की गूंज बनाई? ब्राह्मण-बनियों ने! किसने गांधी-नेहरू की हवा बनाई? रामजी और भागवत की कथा को बांचने वाले ब्राह्मणों ने! किसकी धुरी पर यूपी में ब्राह्मण-दलित-मुसलमान का समीकरण रहा? गोविंद वल्लभ पंत, त्रिपाठी, मिश्र, तिवारी जैसों के नेतृत्व से। याद रखें कांशीराम-मायावती ने अकेले 'तिलक तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार' या मुलायम के संग राजनीति की तो उससे कुछ नहीं बना लेकिन शंख बजवा 'हाथी नहीं गणेश है ब्रह्मा, विष्णु, महेश है' से ब्राह्मणों को पटाया तो उत्तर प्रदेश में दलित-ब्राह्मण-मुस्लिम वोट बैंक बना और मायावती ने पूरे बहुमत से राज किया। मगर फिर ज्योंहि हिंदू राजनीति के आईकॉन के तौर पर नरेंद्र मोदी वाराणसी में पंडित मदनमोहन मालवीय का नाम ले कर चुनाव लडने् उतरे तो घर-घर मोदी हो गया। ओबीसी भी ब्राह्मण-बनियों को साथ हर-हर करते हुए।

क्या मैं गलत हूं?

सचमुच उत्तर भारत की यह अमिट हकीकत है कि ब्राह्मण मंदिर-पूजा-पाठ आदि की धर्म पताका से सभी जातियों में रमा रहता है। अपनी सोच और चर्चा की चखचख (यह बात राष्ट्रीय नैरेटिव में भी लागू है) को सभी जातियों में पसारते हुए होता है। जबकि जाट, यादव, गुर्जर आदि जातियां अपनी बिरादरी, खाप, चौपाल विशेष में खुद के सरोकारों, आपसी चर्चाओं से बाहर प्रभाव फैलाए हुए नहीं होती हैं। ओबीसी जातियों में परस्पर ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा और खुन्नस का व्यवहार होता है तो दलित व मुसलमानों से टकराव भी बना हुआ होता है। नतीजतन अपने इलाके के दायरे के ही पंच, सरपंच, विधायक को ले कर जात अनुसार भले फैसले करें लेकिन प्रदेश और देश की राजनीति में वे उसी रौ में बहते हुए होंगे, जिसका नैरेटिव ब्राह्मण-भूमिहार-बनियों की फॉरवर्ड जमात से पैदा हुआ होता है।

इस रियलिटी को कांग्रेस भूला बैठी है। सोचें, मोदी-शाह कैबिनेट में, प्रदेशों के राजनीतिक नेतृत्व में ओबीसी चेहरों, जातियों की प्रदर्शनी लगाए बैठे हैं वहीं राहुल गांधी का प्रलाप है कि भारत सरकार के सचिवों में तीन ही ओबीसी सचिव हैं। भला भाजपा जब प्रधानमंत्री, मंत्री, मुख्यमंत्री आदि के चेहरो में ओबीसी बैठाए हुए है, ब्राह्मण-बनिए उनकी वाह करते हुए हैं तो राहुल गांधी का ओबीसी खोमचा कैसे हिट हो सकता है। लोगों के गले उतर सकता है? राहुल गांधी व सभी मोदी विरोधियों का नंबर एक संकट है जो उनकी बात पर गांव-चौपाल, शहर में चर्चा कराने वाला, नैरेटिव बनवाने वाला ब्राह्मण-बनिया है ही नहीं। ध्यान रहे अब शहरों-महानगरों और राजधानियों में ही सियासी चक्रवात बनते हैं और गांव-कस्बों को चपेटे में लिए हुए होते है। फिर वह हिंदू-मुस्लिम का बवंडर हो या भ्रष्टाचार व महंगाई या विश्व गुरू होने का। तभी जयपुर, भोपाल, रायपुर से लेकर बिलासपुर, उदयपुर, लखनऊ, पटना आदि तमाम शहरों-महानगरों में मोदी का जादू है तो वहां से वह बस्तर, सरगुजा, मेवाड़, महाकौशल के इंटीरियर तक पहुंचा हुआ होता है। जाहिर है कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, जदयू या राजद की नियति अब हारते रहने की है। चार महीने बाद भी लोकसभा चुनावों में 2019 व 2014 वापिस रिपीट होगा। एक तरह से विपक्ष, राहुल, अखिलेश, केजरीवाल, तेजस्वी आदि सबकी नियति गलतफहमियों और अहंकार में जीने से लगातार हारने की हो गई है।

कांग्रेस को सब नसीहत दे रहे हैं

पांच राज्यों में से चार में चुनाव हारने के बाद कांग्रेस की स्थिति ऐसी हो गई है कि हर नेता उसको नसीहत दे रहा है। हर नेता उस पर सवाल उठा रहा है और कोई उसकी बात मानने को तैयार नहीं है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ईवीएम को लेकर एक प्रस्ताव मंजूर कराना चाहा लेकिन विपक्षी पार्टियों ने ऐसा नहीं होने दिया। लेकिन ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री पद के लिए मल्लिकार्जुन खड? के नाम का प्रस्ताव दे दिया। यह सिर्फ कांग्रेस को घेरने की ममता और अरविंद केजरीवाल की रणनीति थी। वहां जब प्रस्ताव ठुकरा दिया गया तब भी दो दिन तक मीडिया से बातचीत में ममता कहती रहीं कि उन्हें खुशी है कि खड? विपक्ष का चेहरा बनेंगे। वे इतने पर नहीं रूकी हैं। उन्होंने कांग्रेस को अब एक नई सलाह दे दी है। उन्होंने कहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा को वाराणसी लोकसभा सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लडना् चाहिए। सोचें, उनसे यह सलाह किसने मांगी थी? अगर ममता को उनकी पार्टी प्रधानमंत्री पद का दावेदार मानती है तो ममता क्यों नहीं खुद वाराणसी से जाकर लड़ जाती हैं या पीएम बनने की महत्वाकांक्षा पाले हुए अरविंद केजरीवाल जब 2014 में वाराणसी लडने् गए थे तो इस बार फिर क्यों नहीं जाकर वहां से चुनाव लड़ते हैं? बहरहाल, समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव ने भी कांग्रेस को सलाह दी है कि वह पहले तय करे कि उत्तर प्रदेश में किसके साथ लड़ेगी, बसपा के साथ या कांग्रेस के साथ।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र.046

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.45 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

चीन की अपने ही हाथों बदनामी!

श्रुति व्यास

हांगकांग सुर्खियों में है। इस हफ्ते वहां लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता और पूर्व मीडिया शहंशाह जिमी लाई पर लंबे समय से रूके मुकदमे की कार्यवाही शुरू हुई। यह मुकदमा हांगकांग की वैश्विक प्रतिष्ठा को कसौटी पर कसेगा।

लाई हांगकांग का एक जाना-माना नाम था और है। एक मीडिया शहंशाह और लोकतंत्र-समर्थक कार्यकर्ता के तौर पर वे इस क्षेत्र में सीसीपी (चीन की कम्युनिस्ट पार्टी) के सबसे शक्तिशाली आलोचकों में से एक थे। वे बंद हो चुके लोकतंत्र-समर्थक समाचार पत्र 'एप्पल डेली' के संस्थापक थे और 2014 के अंब्रेला मूवमेंट विरोध प्रदर्शनों और 2019 के प्रत्यर्पण कानून विरोधी प्रदर्शनों में सबसे आगे रहे थे। हांगकांग का राष्ट्रीय सुरक्षा कानून इसी तरह की असहमति को कुचलने के लिए बनाया गया था। माना जा रहा है कि करीब 250 कार्यकर्ताओं, सांसदों और प्रदर्शनकारियों को इसके उल्लंघन के आरोप में हिरासत में लिया गया है। लाई राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का निशाना बनने वाले सबसे प्रमुख और शुरूआती व्यक्तियों में से एक थे। उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत विदेशी शक्तियों से मिलीभगत के साथ ही राजद्रोह का आरोप भी लगाया गया है। यदि उन्हें दोषी पाया जाता है, जिसे कई लोग लगभग निश्चित मान रहे हैं, तो इस ब्रिटिश नागरिक को अपनी बची हुई पूरी जिंदगी जेल के सींखचों के पीछे बितानी पड़ेगी।

बीजिंग लंबे समय से चीन की मुखर आलोचना के कारण लाई और उनके 'एप्पल डेली' समाचारपत्र से नफरत करता रहा है। सन् 1995 में स्थापित एप्पल डेली जल्दी ही चीनी भाषा का एक लोकप्रिय टेबोलाईड बन गया जिसमें हल्की-फुल्की सामग्री और हांगकांग व बीजिंग की सरकार की आलोचना का मिश्रण होता था। सन् 2021 में हांगकांग के अधिकारियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत अखबार की संपत्तियों को अपने कब्जे में ले लिया, उसके दफ्तरों पर छापा मारा और उसके कई प्रमुख संपादकों और लेखकों को गिरफ्तार कर लिया। (पूरे हांगकांग में उस वर्ष प्रकाशित हुए उसके अंतिम अंक को खरीदने के लिए लंबी-लंबी कतारें लग गईं थीं)। लाई पर लगाए गए आरोप अंशत- एप्पल डेली में प्रकाशित उन लेखों पर आधारित हैं जिनमें चीनी एवं हांगकांगी अधिकारियों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध लगाए जाने का आव्हान किया गया था। प्रॉसिक्यूशनका तर्क है कि यह विदेशी शक्तियों के साथ सांठ-गांठ करने जैसा है! समाचारपत्र के छह कर्मचारियों ने सन् 2022 में इस आरोप को सही बताया। लाई पर चलाया जा रहा यह मुकदमा पूरी तरह राजनीति से प्रेरित है। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का दायरा असाधारण रूप से व्यापक है। इसके क्षेत्राधिकार में ऐसे लोग, जो हांगकांग के निवासी नहीं हैं द्वारा हांगकांग के बाहर की की गयी गतिविधियां भी शामिल हैं। लाई को ब्रिटेन के टिम ओवेन नामक अपनी पसंद के वकील की सेवाएं लेने की इजाजत नहीं दी गई (मुकदमे की कार्यवाही शुरू होने में हुए देरी का एक कारण यह विवाद भी था) और जूरी के बजाए उनके मुकदमे की सुनवाई सरकार द्वारा नियुक्त न्यायाधीश करेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत चले मुकदमों में दोषसिद्धी की दर 100 प्रतिशत है। न्याय विभाग के मंत्री ने इस बात पर बल दिया है कि यदि कोई आरोपी बरी हो भी जाता है तो उसे दुबारा मुलजिम बनाया जा सकता है। इस बात की प्रबल संभावना है कि लाई को अपनी बची हुई जिंदगी जेल में गुजारनी पड़े। इसके और लाई के ब्रिटिश नागरिक होने के मद्देनजर ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड केमरून और अमरीका ने अब जाकर उन पर मुकदमा चलाए जाने की निंदा की है और उनकी रिहाई की मांग की है। जिमी लाई का मुकदमा निस्संदेह एक ढकोसला है और मूलतः अन्यायपूर्ण है। यह मुक़दमा खुले न्यायालय में चलाया जा रहा है। इस मुकदमे की कार्यवाही में सारी दुनिया के लोगों की रूचि है। हांगकांग के रहवासी तो सोमवार को मुक़दमे की कार्यवाही देखने के लिए कतारों में खड़े हुए। यह मुकदमा न केवल एक मुखर प्रमुख मीडिया व्यवसायी से संबंधित है बल्कि दरअसल यह बीजिंग-शासित हांगकांग के भविष्य से भी संबंधित है। हालाँकि, फैसला क्या होगा, यह शायद पहले से ही तय है।

इंग्लैंड से गिफ्ट के नाम पर ठगे तीन लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। इंग्लैड से गिफ्ट आने का बहाना बनाकर कस्टमर अधिकारी बन तीन लाख रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सॉलीटर हाईट चमन विहार निवासी चचंल ठाकुर ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 17 नवम्बर 2023 को करीब 12 बजे उसके मोबाइल नम्बर पर फोन आया तो फोन करने वाले ने कहा कि वह कस्टम आफिसर बोल रहा है। उसका इग्लैंड से गिफ्ट आया है। जो कि मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम में पकड़ लिया है जिसको छुड़ाने के लिए पैसे देने पड़ेगे। उसने कहा की उसका कोई रिश्तेदार इंग्लैंड में नहीं रहता है। उसने गिफ्ट लेने से मना कर दिया। जिस पर फोन करने वाले ने धमकी देते हुए कहा कि अब तो गिफ्ट आ गया है तुम्हे लेना ही पड़ेगा नहीं तो तुम्हारे खिलाफ कार्यवाही होगी क्योकि गिफ्ट में महगें हीरे है। उन्होंने उसके पति को भी झूठे केस में फसाने की धमकी दी। जिसे में डर गई तो उसने उनके बताये हुए बैंक खाते पंजाब नेशनल बैंक कुल 310000 रूपये ट्रासफर कराये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कच्ची शराब सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कच्ची शराब तस्कर कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने दस लीटर कच्ची शराब सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम कोतवाली लक्सर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई शराब तस्कर कच्ची शराब की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को भोगपुर भिक्कमपुर क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति हाथ में जैरिकेन लेकर आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से दस लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम मांगेराम बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

जुआ खेलते पांच गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हजारों की नगदी बरामद कर ली। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस को सूचना मिली कि घोडा फैक्ट्री के पास कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों से हारजीत की बाजी लगा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके से पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हजारों की नगदी व ताश के पत्ते बरामद कर लिये। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम पवन नेगी पुत्र पूरण सिंह निवासी नकरौंदा, हिमांशू पंवार पुत्र सुरेन्द्र सिंह निवासी इद्रलोक कालोनी रायपुर, मनीष पंवार पुत्र मृत्युंजय निवासी बालावाला, आशीष पाल पुत्र अतर सिंह निवासी नकरौंदा व शिवम रावत पुत्र सुरेन्द्र सिंह निवासी इंद्रलोक कालोनी रायपुर बताया। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एटीएम लूट का खुलासा, दो अंतर्राज्जीय..◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

एक बदमाश स्कोंपियो से उतरते हुये दिखायी दिया। जिसकी शिनाख्त के प्रयास किये गये तो उस व्यक्ति की सलमान पुत्र जाकिर हसन निवासी ग्राम कलियाकी थाना तावडू जिला नूँह हरियाणा के रूप में हुयी। जिसके बारे में जानकारी की गयी तो पुलिस को पता चला कि उस व्यक्ति द्वारा अपने गिरोह के साथ मिलकर अलग-2 राज्यों में एटीएम कटिंग के कई वारदातों को पूर्व में अन्जाम दिया गया है। जिनकी तलाश दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान व हरियाणा की पुलिस कर रही है। इस बीच पुलिस को बीती शाम सूचना मिली कि आरोपी सलमान पुनः अपने गिरोह को इकट्ठा कर किसी अन्य राज्य में एटीएम कटिंग की वारदात को अन्जाम देने हेतु कहीं जाने की फिराक में है। जिस पर पुलिस द्वारा आपसी समनव्य बनाते हुए आरोपी सलमान को तावडू कस्बे से गिरफ्तार किया गया। जिसने पूछताछ में बताया कि उसके साथ उक्त घटना में रफीक उर्फ बच्ची, सहुद, खालिद, शौकत शामिल थे। जिन पर विभिन्न राज्यों पर 15 से भी अधिक मुकदमे दर्ज है।

इसके साथ ही पुलिस को पता चला कि उक्त घटना में प्रयुक्त स्कार्पियों वाहन स्वामी को भी बदमाशों ने घटना से प्राप्त धनराशि का कुछ हिस्सा दिया गया है। जिस पर पुलिस ने वाहन स्वामी साबिर को गोपालगढ राजस्थान से मय वाहन स्कोंपियो के गिरफ्तार किया गया। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपी सलमान ने घटना में प्राप्त पैसों से अपने मकान का कार्य भी करवाया गया है।

पेड़-पौधों का उपयोग सदियों से दवा के रूप में होता आया है: जोशी

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मानवता के इतिहास में सदियों से पेड़-पौधों का उपयोग दवा के रूप में इलाज के लिए किया जाता रहा है।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आईएसबीटी स्थित हिमालय वेलनेश द्वारा फायटो-केमिस्ट्री और आयुर्वेद क्षमता और संभावनाएं पर आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रिबन काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने हर्बल गार्डन का अवलोकन किया। संगोष्ठी में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के कई वक्ताओं ने अपने विचार रखें। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी को नए साल की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा आयुर्वेद हजारों वर्षों से चिकित्सा पद्धति रही है। उन्होंने कहा आज ऐसी अनेक बीमारियां है जो आयुर्वेद से ठीक हो रही है। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मानवता के इतिहास में सदियों से पेड़-पौधों का उपयोग दवा के रूप में इलाज के लिए किया जाता रहा है। विश्व भर की अलग-अलग सभ्यताओं में इसे अलग नाम से जाना जाता है, भारत में हम इसे आयुर्वेद कहते हैं। आयुर्वेद, पौधों पर आधारित भारत की परंपरागत चिकित्सा पद्धत्ति है, जिसका लाभ हम सदियों से उठा रहे हैं। ऋग्वेद में जहाँ 99 औषधीय पौधों के विषय में जानकारी मिलती है, वहीं यजुर्वेद में 82 तथा अथर्ववेद 288 औषधीय पौधों के विषय में बताया गया है, और किसी न किसी रूप में इसका लाभ उठा रहा है। उन्होंने कहा हम सदियों से जानते हैं की हल्दी हमारे लिए कितनी लाभदायक है, परन्तु हम में से कितने लोग जानते हैं की हल्दी के किस रासायनिक गुण की वजह से वह इतनी उपयोगी है। अब समय आ गया है कि हम हमारे पारम्परिक ज्ञान तथा नवीनतम वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग कर आयुर्वेद को एक नया आयाम दें, जिससे आयुर्वेद की क्षमता और संभावनाएं को बढ़ाया जा सके। उन्होंने हिमालया के चेयरमैन से आग्रह किया कि छात्र छात्राओं को मे एक बार सेंटर फॉर एरोमेटिक रिसर्च सेलाकुई भ्रमण कराया जाए। इससे छात्र छात्राओं को वहां की जा रही शोध के विषय में जानने का अवसर प्रदान होगा। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ. एस फारुख, डॉ. हिम्मत सिंह, डॉ.आई.पी. सक्सेना, डॉ.अरुणिमा नायक, डॉ.अरुण के. त्रिपाठी, डॉ.कुलदीप राय, डॉ. आई.पी.पाण्डे सहित छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

जमीन के नाम पर बीस लाख रूपये ठगने पर दो भाईयों के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर बीस लाख 80 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने दो भाईयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अम्बेडकर मार्ग निकट हाईडिल आफिस डीएल रोड निवासी उमेश कुमार शर्मा ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वर्ष 2018 में तरला आमवाला सहस्त्रधारा रोड पर एमडीडीए द्वारा निर्माण कराये जा रहे आवासीय फ्लैटों में लेबर आदि का कार्य देखता था। जहां पर एक रियाजउल हसन पुत्र अब्दुल सत्तार निवासी सुभाष नगर, वार्ड नम्बर 47 क्लेमनटाउन, देहरादून द्वारा बिल्डिंग मैटेरियल की सप्लाई की जाती थी।

रियाजउल हसन व उसके भाई जाबिर हसन द्वारा वहां उससे जान पहचान बढाई गयी और कुछ समय उपरान्त उसको ब्राहमणवाला, देहरादून स्थित एक भूमि दिखायी गयी और बताया गया कि उक्त भूमि का मूल स्वामी अमर सिंह पुत्र राम सुख है। उक्त रियाजउल हसन द्वारा उसको अमर सिंह द्वारा उसके पक्ष में निष्पादित अनुबन्ध पत्र भी दिखाया गया जिसके आधार पर उसके द्वारा उसको आश्वस्त किया गया कि उसे उक्त भूमि का सौदा करने के पूर्ण अधिकार प्राप्त है। उसके द्वारा रियाजउल हसन द्वारा दिखाये गये प्रपत्रों व आश्वासन के आधार पर भूमि को क्रय करने का सौदा 50,00,000 रूपये प्रति बीघे की दर से करना तय पाया गया। इकरार के अग्रसित उसके द्वारा रियाजउल हसन को 20,80,000 रूपये अदा किये गये। 24 अगस्त 2018 रियाजउल हसन द्वारा उपरोक्त धनराशि की लिखित रसीद भी उसको अदा की गयी। पक्षकारों के मध्य तय पाया गया था कि वह जल्द ही भूमि का विक्रय पत्र उसके पक्ष में निष्पादित व पंजीकृत करा देगा। काफी समय बीत जाने पर भी जब रियाजउल हसन ने उसके नाम रजिस्ट्री नहीं की तो उसके द्वारा अपने पैसों की मांग की तो उसके द्वारा उसको मां बहन की गन्दी गन्दी गालियां दी और कहा दोबारा यहां आया तो जान से भी हाथ धो बैठेगा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कुसुम योजना अधिकारी बनकर ठगे दो लाख 24 हजार रूपये

संवाददाता

देहरादून। सोलर वाटर पम्प लगाने के लिए कुसुम योजना में सम्पर्क करने पर योजन अधिकारी बनकर ठगों ने 2 लाख 24 हजार रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टीएचडीसी शिवपुरी कालोनी निवासी रोशन सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह सोलर वाटर पम्प लगवाना चाहता था इसलिये उसने जल विभाग में भी पता किया तो उसको पता चला कि नेट पर सर्च करके कुसुम योजना के तहत सरकार सब्सिडि पर सोलर वाटर पम्प लगवा रही है तो उसने भी नेट पर सर्च किया तो उसको कुसुम योजना के नाम पर नम्बर मिला तो उसने उस नम्बर पर कॉल किया तो उन्होंने अपना नाम विकास जैन बताया और अपना पता लोधी रोड बताया वकायदा उसने अपना आईडी कार्ड भी भेजा तो उसको भी यकीन आ गया तो उसने उससे उसका पता, बैंक पासबुक का पहला पन्ना, की कापी, आधार कार्ड मांगा, कुछ समय वाद 15 जून 2023 को उसने कहा कि उसको कोई भी चार्ज नहीं देना पड़ेगा और सैंक्शन मिलने के वाद आपके बताया जायेगा इसने एक स्कैनर भेजा जिसपर विकान्ता कुमार लिखा था फिर उसने दिन में 2 बजे करीब फोन करके बताया कि उसकी फाइल सैंक्शन हो गई है अब उसको 5600 रुपये फाइल प्रोसेसिंग के लिये देगें और उसी दिन फाइल सैंक्शन हो गई है कहकर ट्रांसपोर्ट का पैसा 7850 रुपये मांगे और कहा कि 2 दिन के अन्दर उसका सोलर वाटर पम्प लग जायेगा लेकिन कभी वह फाइल कई रुक गई उसका इतना पैसा लगेगा कहकर वह पैसा लेता गया जब 1,53,980 हो गये तो वह उनपर गुस्सा हुआ तो उसने उनसे कहा कि अभी तक क्यों नहीं हुआ तो उन्होंने कहा कि हमारे सीनियर अधिकारी ने वह फाइल पेन्डिंग में रख दी जून से लेकर वह उनको काल करता रहा लेकिन उनका नम्बर घन्टी बजने के बाद कहता कि नेटवर्क कवरेज क्षेत्र से बाहर है उसने भी बाद में कॉल करना बन्द कर दिया अचानक 5 दिसम्बर को उसके पास काल आया उस सीनियर अधिकारी का जो कि पहले संजीव त्यागी के नाम से था लेकिन जब 5 दिसम्बर को नितिन कुमार के नाम से कॉल आया कि वहं कुसुम योजना से सीनीयर अधिकारी नितिन बोल रहा है बोलकर उन्होंने कहा की उसकी एक फाइल उसके पास पैन्डिंग में पड़ी है आप उसका क्या करवाना चाहते है तो उसने कहा या तो क्लीयर कर दो या फिर रिफन्ड करवा दो तो उन्होंने फाइल को रिफन्ड करने का चार्ज 5300 रुपये का चार्ज बोला। उसके बाद इसी तरह लेता रहा और आज तक दो लाख 24,680 रुपये ले चुका है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

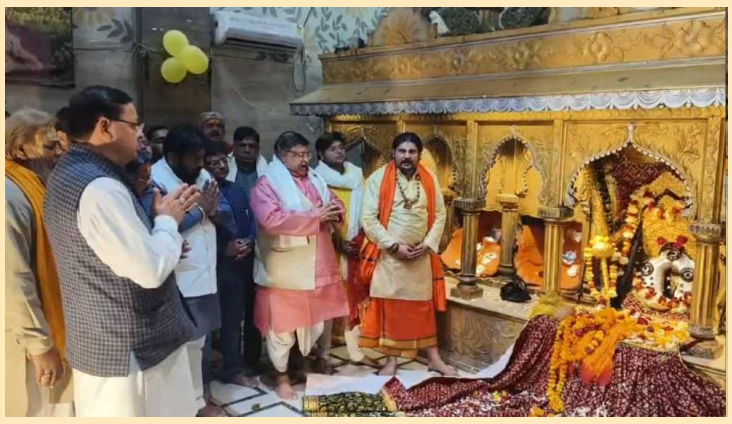

मुख्यमंत्री ने बगलामुखी पीतांबरा मंदिर के दर्शन कर पूजा अर्चना की

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मथुरा भ्रमण के दौरान प्राचीन मंदिर बगलामुखी पीतांबरा मन्दिर के दर्शन कर पूजा अर्चना की

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने दो दिवसीय मथुरा भ्रमण के दौरान मथुरा के प्राचीन मंदिन बगलामुखी पीतांबरा मंदिर के दर्शन कर पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री ने मां बगलामुखी से प्रदेश और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। इससे पूर्व गत दिवस मुख्यमंत्री ने दानघाटी मंन्दिर व गिरिराज महाराज के दर्शन कर मुख्यमंत्री ने गिरिराज महाराज की परिक्रमा भी लगायी थी। गिरिराज परिक्रमा के बाद वह ब्रज वसुंधरा पहुंचे थे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत

देहरादून (सं)। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नागल बुलंदावाला निवासी नर बहादुर अपनी मोटरसाईकिल से बाजार से घर की तरफ जा रहा था जब वह कुंआवाला के पास पहुंचा तभी अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के भाई अमित थापा की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

लखबीर सिंह लांडा को गृह मंत्रालय ने आतंकी घोषित किया

नई दिल्ली। खालिस्तानी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के सदस्य लखबीर सिंह लांडा को गृह मंत्रालय ने आतंकी घोषित कर दिया है। 33 साल का कनाडाई गैंगस्टर लखबीर सिंह लांडा 2021 में मोहाली में पंजाब पुलिस के खुफिया मुख्यालय पर रॉकेट हमले की योजना बनाई थी। इसके अलावा भी वो कई अन्य आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है। बता दें कि पंजाब के तरनतारन जिले का रहने वाला लांडा 2017 में कनाडा भाग गया था। उसे पाकिस्तान स्थित गैंगस्टर हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा का करीबी माना जाता है, जिसने बीकेआई से हाथ मिला लिया था। लांडा को लेकर गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, लखबीर सिंह उर्फ लांडा, जो वर्तमान में कनाडा के एडमोंटन, अल्बर्टा में रहता है, बब्बर खालसा इंटरनेशनल से संबंधित है। सीमा पार एजेंसी द्वारा समर्थित लांडा कंधे पर रखे जाने वाले रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड के माध्यम से आतंकवादी हमले में शामिल था। पंजाब खुफिया मुख्यालय मोहाली में है और पंजाब में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए सीमा पार से अलग-अलग मॉड्यूलों को इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), हथियार, विस्फोटकों की आपूर्ति करने के काम में भी शामिल रहा है। लांडा मूल रूप से पंजाब का रहने वाला है, लेकिन पिछले कुछ सालों से कनाडा में रह रहा है। वह भारत के खिलाफ साजिश रचने में शामिल रहा है। इस साल सितंबर में, पंजाब पुलिस ने कनाडा स्थित आतंकवादी के करीबी सहयोगियों से जुड़े 48 स्थानों पर छापेमारी की थी। यह कार्रवाई 21 सितंबर को एक व्यापारी पर दो हमलावरों द्वारा हमला किए जाने के बाद हुई। व्यापारी ने कहा था कि उसे किसी ऐसे व्यक्ति का फोन आया जिसने खुद को लांडा के करीबी होने का दावा किया था और 15 लाख रुपये की मांग की थी। छापेमारी के बाद कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था।

पहाड़ पर मौसम का डबल अटैक

❑कोहरा, पाला, बारिश और बर्फबारी से बढ़ा सर्दी का प्रकोप

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में आज सुबह से ही पश्चिमी विच्क्षोभ का असर दिखने लगा है। हरिद्वार, रुड़की और लक्सर सहित तराई वाले क्षेत्रों में नैनीताल, हल्द्वानी और कोटद्वार तक आज सुबह घने कोहरे की चादर बिछी दिखी। जिसके कारण वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया। कुछ स्थानों पर तो कोहरे के कारण विजिबिलिटी इतनी कम हो गई की 10 मीटर आगे भी कुछ देख पाना संभव नहीं रहा। वही पहाड़ पर पाला और बर्फबारी के कारण शीत लहर का प्रकोप इतना बढ़ गया कि लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार राज्य में 31 दिसंबर और 1 जनवरी को बारिश और बर्फबारी होने के साथ तापमान में गिरावट होने और सर्दी का प्रकोप बढ़ने की बात कही गई है।

बीती रात से घने कोहरे के कारण राज्य के मैदानी और तराई क्षेत्र के साथ कुछ पर्वतीय जनपदों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। कोहरे के कारण जहां हवाई सेवाएं प्रभावित हुई है वहीं रेल व सड़क यातायात भी बाधित हुआ है। आज सुबह

❑घने कोहरे से थम गई वाहनों की रफ्तार
❑पारे में निरंतर गिरावट से कांपने लगे पहाड़
❑ नए साल पर बारिश व बर्फबारी का अलर्ट

रुड़की, लक्सर और हरिद्वार क्षेत्र में कोहरे के कारण विजिबिलिटी 10 मीटर ही रह गई और वाहनों की लाइटें तक दिखाना बंद हो गई। वही नैनीताल, हल्द्वानी और कोटद्वार तक घने कोहरे का असर दोपहर तक देखा गया। उधर नैनीताल अल्मोड़ा और रानीखेत में भारी सर्दी का असर देखा गया, पहाड़ में अभी हालांकि दिन में धूप निकलने के कारण तापमान सामान्य बना हुआ है लेकिन रात के तापमान में 1 से 2 डिग्री अधिक की गिरावट देखी जा रही है।

मौसम विभाग द्वारा चेतावनी जारी करते हुए कहा गया है कि आगामी दो दिनों में राज्य के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश व बर्फबारी के कारण सर्दी का प्रकोप बढ़ेगा। मौसम विभाग का कहना है कि इन दिनों चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी व बागेश्वर तथा पिथौरागढ़ में बारिश होगी तथा 3000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी होने की संभावना है। जिससे तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की गिरावट आ सकती है। पर्वतीय क्षेत्रों में कई स्थानों पर अभी रात का तापमान सामान्य से नीचे चल रहा है। जो लोगों के लिए मुसीबत का सबक बना हुआ है। नए साल पर होने वाली बारिश और बर्फबारी पर्यटकों के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती है। मौसम की विसंगतियों के मद्देनजर सभी जिला प्रशासकों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

'नव वर्ष की पूर्व संध्या पर सर्तक रहेगें सभी राजकीय चिकित्सालय'

देहरादून (सं)। महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा नव वर्ष की पूर्व संध्या पर सभी राजकीय चिकित्सालयों को आकस्मिकता चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये। आज यहां चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महानिदेशक विनीता शाह ने आदेश जारी करते हुए कहा कि नव वर्ष की पूर्व संध्या में विभिन्न स्थलों में जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं व काफी अधिक संख्या में जनमानस रात्रि में आवागमन करते रहते हैं, जिसके कारण लगातार उक्त दिवस में अप्रिय घटना घटित होने की सम्भावना बनी रहती है। अत: उक्त के दृष्टिगत सभी राजकीय चिकित्सालयों को निर्देषित किया जाता है अपने तथा अपने अधीनस्थ चिकित्सालयों में नव वर्ष की पूर्व संध्या 31 दिसम्बर को आवश्यक जीवन रक्षक औषधियों, चिकित्सकों की तैनाती तथा ऑन कॉल विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती पूर्व की भांति करना सुनिश्चित करें, ताकि आकस्मिकता की स्थिति में चिकित्सालय आने वाले व्यक्ति को आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जा सके।

लूंठी बने पटेलनगर कोतवाल

देहरादून (सं)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने पुलिस कार्यालय में तैनात निरीक्षक कमल कुमार लूंठी को पटेलनगर का कोतवाल बनाया। आज यहां पुलिस कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार एसएसपी अजय कुमार ने किन्हीं कारणों के चलते पटेलनगर कोतवाल संजय कुमार को पुलिस कार्यालय व पुलिस कार्यालय में तैनात निरीक्षक कमल कुमार लूंठी को पटेलनगर कोतवाल नियुक्त किया। दोनों को तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार सम्भालने के आदेश दिये।

होम क्रेडिट मैनेजर बनकर ठगे 95 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। होम क्रेडिट मैनेजर बनकर 95 हजार रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्रहमपुरी निरंजनपुर निवासी रामनरेश ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके द्वारा 06 नवम्बर 2023 को होम क्रेडिट के माध्यम से एक लाख का ऑनलाईन लोन लिया गया था, जो उसके खाते में उसी दिन आ गये थे, उसके बाद उसके पास अज्ञात मोबाईल से फोन आया और अपने आप को होम क्रेडिट का मैनेजर बताते हुये उसके द्वारा लिये गये लोन के सम्बन्ध में जानकारी दी व ली गयी जिसके पश्चात अज्ञात व्यक्ति (होम क्रेडिट मैनेजर) द्वारा बताया गया कि यह जो लोन उसके द्वारा लिया गया है यह बहुत मंहगा लोन है, उसको शिक्षा लोन लेना चाहिए था जो काफी सस्ता रहता है, और उसको लोन लेने की प्रक्रिया बतायी। उसके द्वारा उस पर विश्वास करके शिक्षा लोन लेने के लिये कहा गया तो मैनेजर द्वारा बताया कि जो उसके द्वारा लोन लिया गया है उसको पहले जमा करना पडेगा उसके पश्चात उसको दूसरा लोन दिया जायेगा। उसके पश्चात अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके मोबाईल व्हाट्सएप पर एक स्कैनर भेजकर पैसे डालने के लिये कहा गया, जिस पर विश्वास कर उसके द्वारा दिये गये स्कैनर के माध्यम से 95 हजार रुपये उसे भेज दिये गये। जिसके पश्चात उसके द्वारा उक्त नम्बर पर बात की गयी तो जब से उक्त संदिग्ध मोबाईल लगातार बन्द आ रहा है। मेरे द्वारा होम क्रेडिट कस्टमर केयर से बात की गयी तो उनके द्वारा बताया गया कि उनके यहां ऐसे लोन देने की कोई प्रक्रिया नहीं है सम्भवत: उसके साथ किसी व्यक्ति द्वारा धोखाधडी की गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोटरसाईकिल सवारों ने लूटा मोबाइल

संवाददाता

देहरादून। पैदल चल रहे व्यक्ति से मोटरसाईकिल सवार बदमाशों ने मोबाइल लूट लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवम विहार निवासी विरेन्द्र सिंह नेगी ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह ठण्डी सडक निकट भण्डारी बाग से पैदल फोन पर बात करते हुए घर की तरफ जा रहा था तभी मोटरसाईकिल सवार दो युवकों ने उसके हाथ पर झपटा मारकर उसको मोबाइल लूट लिया और वहां से फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।